the survey are being compiled and collected. The Society has further stated that various samples collected by the party have to be examined and analysed in laboratories. Preliminary examination indicates that the snow-fields of the Gangstang Glacier shrunk in size and volume and the glacier retreated to a considerable degree during the last half a century or so. The present condition of the glacier and surrounding areas has been mapped accurately. After completion of laboratory tests, further data will be available. The Society proposes to publish a special brochure containing the details of the surveys and their results.

(d) and (e). Yes, Sir. The Society has asked for a grant of Rs. 5,000 and their request is under consideration.

Seizure of Gold

1651. **Shri P. K. Deo:**
Shri Aurobindo Ghosal:

Will the Minister of **Finance** be pleased to state:

(a) whether the Customs authorities detected a large quantity of smuggled gold in a ship in Calcutta in September, 1960;

(b) if so, what amount of gold was recovered and what penalty was imposed; and

(c) the circumstances that led to the discovery of this contraband gold?

The Minister of Finance (Shri Morarji Desai): (a) Yes, Sir.

(b) The amount of gold seized was 200 bars weighing about 3,207 tolas valued at Rs. 4,37,000 approximately. The gold has been confiscated. No personal penalty has been imposed against the Master of the vessel so far on this account.

(c) The discovery of the above contraband gold was effected on the 27th September, 1960, during the course of a rummage of the ship M. V. "Ruth Everett".

रोहतक में बाढ़

१६५२. **श्री प्रकाश वीर शास्त्री :**
श्री राधा रमण :
श्री श्रीनारायण दास :

क्या प्रतिरक्षा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) रोहतक की हाल की बाढ़ पर काबू पाने के लिये कितने सैनिकों की सेवायें प्राप्त की गई थीं;

(ख) सेना ने वहां कितना और कितनी अवधि तक कार्य किया; और

(ग) क्या यह सच है कि सेना की सहायता से रोहतक नगर का अधिकांश भाग बाढ़ से बचा लिया गया ?

प्रतिरक्षा मंत्री (श्री रघुरामैया) : (क) तथा (ख). एक विवरण सभा पटल पर रखा जाता है ।

विवरण

रोहतक बाढ़ में सहायता कार्य सम्बन्धी सेना और वायु सेना द्वारा सेवा कार्य :—

सेना

रोहतक बाढ़ में सहायता के लिये ८१ अफसरों, १२४ जूनियर कमिशन अफसरों ४०४५ जवानों और १७६ गैर लड़ाका भरती हुए जवानों की सेवा का, २८ अगस्त से १७ सितम्बर, १९६० के बीच में उपयोग किया गया था । इस काम के लिये सैनिक सामान और साज सामान की एक बड़ी राशि भी प्रदान की गई थी ।

सैनिक दलों ने रेलवे लाइन में पुलियों को बन्द करने में पोलीस की सहायता की । उन्होंने रोहतक के पश्चिम में आठवें नाले के श्रोत को पक्का करते हुए उस में हुए छेदों को बन्द किया । तीन मील तक लम्बी रेलवे लाइन को रेत के थैलों से तीन तीन फुट और ऊंचा करते हुए, पानी को अपने वश में कर लिया गया और आठवें नाले में दो सौ फुट लम्ब छिद्र को भर दिया गया ।